मुश्किल है शादी बबली और बंटी की

- **जन्म**- 21 मार्च, 1978 को दोपहर 2 बजकर 03 मिनट पर मुंबई में
- **ज्योतिषीय स्थिति**- जन्म कर्क लग्न, कर्क नवांश तथा अश्लेषा नक्षत्र अर्थात् कर्क राशि में

सितारों के सितारे

समीर उपाध्याय

रानी मुखर्जी का जलवा इस समय चारों तरफ छाया है। बबली के रूप में जहां एक ओर समाचार वाचन कर उन्होंने सबको चौंकाया, वहीं अपनी खण्डाला इमेज को भी बदला है। आखिर क्या है उनकी प्रसिद्धि का राज! बहरहाल, नम्बर वन की दौड़ में बनी रहेंगी रानी और प्रसिद्धि के साथ-साथ पैसा भी मिलेगा उन्हें।

वर्ष 2005 में बबली नाम से प्रसिद्ध हुई रानी की वर्तमान दशा शुक्र और बुध अप्रैल 2007 तक रहेगी। साथ में शनि की साढ़ेसती भी है। कुंडली में दोनों शुक्र उच्च राशि का और बुध भी भाग्य में नीच भंग राजयोग बना रहा है। अतः इस अवधि में रानी को यश और धन दोनों मिलेगा। कुछ हिट फिल्में देंगी। अभिनय का जलवा पुरस्कार के ताज के साथ दिखाई देगा। रही नम्बरों की बात तो अन्य कलाकारों में वह नंबर वन की प्रबल दावेदार रहेंगी।

बंटी (अभिषेक), बबली (रानी) के ग्रहों की स्थिति में तालमेल का अभाव होने से वास्तविक जीवन में एक-दूसरे से विवाह संभव नहीं लगता।

एक नज़र कुंडली पर

रानी मुखर्जी का जन्म 21 मार्च, 1978 को दोपहर 2 बजकर 03 मिनट पर मुंबई में हुआ है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार रानी का जन्म कर्क लग्न, कर्क नवांश तथा अश्लेषा नक्षत्र अर्थात् कर्क राशि में हुआ है। कुंडली में लग्न में चंद्र मंगल युति साक्ष्य, चंचलता, प्रगतिकारक तथा राजयोग बना रहा है। भाग्य भाव में कई उत्तम योग बने हैं। चतुर्थ (ख्याति) भाव तथा एकादश (शुभ चिंतक, मनोकामना पूर्ति) भाव का स्वामी ग्रह शुक्र भाग्य में उच्च राशि का है। साथ में धन और पराक्रम भाव के स्वामी क्रमशः सूर्य, बुध भी स्थित हैं। यहां पराक्रम भाग्य, धन, ख्याति तथा बुध भाग्य भाव में नीचभंग राजयोग बना रहे हैं। भाग्येश बृहस्पति विपरीत राजयोग तथा बुध से स्थान परिवर्तन योग बना रहा है। ग्रहों की यह स्थिति रानी मुखर्जी को फिल्मों में शिखर पर पहुंचाने में सक्षम है।

- फिल्मी दौड़ में नंबर वन बनी रहेंगी
- भाग्यभाव में उच्च के शुक्र और नीच बुध से नीचभंग राजयोग उपलब्धियाँ देगा

- यश और धन दोनों की प्राप्ति, अभिनय का जलवा और पुरस्कार भी
- लग्न में राजयोग से अनेक सफलताएँ